# MAYUKH-E-MAGZINE

# KV SINGRAULI

# विदयालय परिवार

# OUR PATRONS

Mr. S. Tajuddin Sheikh
(Deputy Commissioner, RO Jabalpur)

Mr. S. R. Medha,
Assistant Commissioner

Mr. D. Patle,
Assistant Commissioner

Mrs. Shahida Parveen,
Assistant Comissioner

## Message

Education endeavors to prepare our students to face the challenges of future and to lead a life of confidence and courage. Attitude building, development of knowledge and inculcation of skills are the three vital tasks of education which every school strives to provide for. Hidden in these tasks are nurturing, caring and developing of the creative mind of students.

KVS has a well- planned system of facilitating students to explore their creative talents through various competitions in art, music and dance besides organizing Co-curricular activities. When these activities are celebrated with jay, the one's which are equally eventful and a source of happiness to students is writing and seeing in print their compositions, poems, tidbits of humour and drawings. Vidyalaya Patrika offers a platform for this.

The E- Vidyalaya Patrika "Mayukh"being published by **Kendriya Vidyalaya Singrauli**is expected to be a treasure house of the creative outpourings of budding talents. It is hoped that it would also bring to light the achievements of teachers, Principal and other employees of the KV in making it a successful Educational Institution.

My best wishes to the students, staff and the Principal of the Vidyalaya for bringingout the PATRIKA in all its splendor and hues.

**(Tajuddin Shaik)**
**Deputy Commissioner**

*Every VidyalayaPatrika is milestone in itself -it marks the achievements , unfolds the imagination , giving life to the thoughts and the aspirations . It is platform where the creative skills of the Vidyalaya family are unleashed, either through writing or through artistic strokes.*

*I would like to congratulate the Editorial Board of Kendriya Vidyalaya Singrauli for its tireless and collective efforts in bringing out the VidyalayaPatrika "MAYUKH".*

*WITH BEST WISHES*

**Charles Juster**

**GM (Per. & Chairman VMC)**

# प्राचार्य की कलम से

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उसमें निखार लाने का सबसे प्रतिभाशाली माध्यम है विद्यालय की पत्रिका ।यूँ तो छात्र-छात्राओं में रचनात्मक प्रतिभा बहुत अधिक होती है परंतु आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन मिले । बच्चों को अपनी मौलिक अभिव्यक्ति के लिए पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए तभी वे अपने मन की बात लिखना सीख सकेंगे।

विद्यालय-पत्रिका विद्यालय की शैक्षणिक, सहशैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, संगीत, कला आदि संपूर्ण गतिविधियों का प्रतिबिंब है । विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने अधिक परिश्रम कर इस विद्यालय पत्रिका को प्रकाशित करने में योगदान दिया ।

हमें विश्वास है कि हमारे पाठक उभरती नन्हीं प्रतिभाओं को प्रोत्साहनदेंगे साथ ही अपने सुझावों से मार्गदर्शन करेंगे ।

सुजित सक्सेना

# संपादकीय

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय सिंगरौली, ई- विद्यालय पत्रिका मयूर प्रकाशित करने जा रहा है। लेखन एक ऐसी प्रक्रिया है जो मानव चिंतन प्रक्रिया से होकर गुजरती है। कभी कल्पनाओं के सागर से गुजर कर पल्लवित होती है, तो कभी वास्तविक सामाजिक परिवेश में पल रही बुराइयों पर कटाक्ष बन कर उभरती है।

विद्यालय पत्रिका विद्यालय की प्रगति भावी योजनाओं को प्रस्तुत करने का माध्यम होने के साथ-साथ विद्यार्थियों की लेखन शक्ति, विचारों, भावो और कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त एवं प्रबल साधन है।

अक्षर का अस्तित्व शब्द की शक्ति तथा अर्थ की महत्ता सृजन को गाभिर्य बनाती है। ऐसे में बाल मन की भावनात्मक एवं विचारात्मक आंधी अभिव्यक्ति रूपी बीज के शब्द रूपी अंकुर के रूप में प्रस्फुटित होती है, तो पल्लव-पुष्पों से युक्त रचना का सृजन होता है।

**बच्चों ने बड़े उत्साह से विद्यालय पत्रिका हेतु विषय वस्तु जुटाई है, सराहनीय है।**

यह पत्रिका आपके लिए आपके द्वारा आप से प्राप्त सामग्री का प्रस्तुतीकरण है| इस पत्रिका के सफल संपादन एवं प्रकाशन हेतु सर्वप्रथम आभारी हूँ। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री चार्ल्स जस्टर, जनरल मैनेजर (कार्मिक एवं कल्याण) एन.सी.एल सिंगरौली एवं श्री ताजुद्दीन शेक उपायुक्त के.वि.सं क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर, संभाग जिनके कुशल संरक्षण एवं सकारात्मक सहयोग से विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है । तथा उनकी शुभकामनाओं से हम विद्यालय पत्रिका प्रकाशित कर सकें ।

हम आभारी हैं प्राचार्य श्री सुजित सक्सेना का जिनके कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में यह कार्य संभव हो सका । मयुख पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़े सभी शिक्षक शिक्षिकाओं विद्यार्थियों व अभिभावकों का भी आभारी हूं, जिनके सार्थक प्रयत्नों से यह ई- विद्यालय पत्रिका आपके शुभ हाथो तक पहुँच रही है ।

आर.पी बैरवा
स्नातकोत्तर शिक्षक - हिंदी

# Staff List

| SL.NO | STAFF LIST | Designation |
|---|---|---|
| 1 | Mr. SUJIT SAXENA | PRINCIPAL |
| | **TEACHERS** | |
| 2 | Mr. UMESH SHARMA | PGT(CHE) |
| 3 | MR. DILIP CHANDRA JHA | PGT(PHY) |
| 4 | MRS. REKHA MISHRA | PGT(GEO) |
| 5 | MR. R.K BARMAN | PGT(MATH) |
| 6 | MR. R.P. BAIRWA | PGT(HINDI) |
| 7 | MR. MUKESH CHAURASIYA | PGT(CS) |
| 8 | MRS. AWANTIKA | PGT(ECO) |
| 9 | MR. S. TRIPATHI | TGT(SKT) |
| 10 | Mrs. SMITA PANDEY | TGT(ENG) |
| 11 | Mr. AKHILESHWAR RAM | TGT(SST) |
| 12 | MR. R.P. SAHU | TGT(MATH) |
| 13 | MISS JYOTI YADAV | TGT(SCI.) |
| 14 | Mrs. ARCHANA DWIVEDI | TGT(ENG) |
| 15 | MRS. RASHMI TIWARI | TGT(MATHS) |
| 16 | MR. MANISH BHARTIYA | TGT (HINDI) |
| 17 | MS. VAGMITA SINGH | TGT (HINDI) |
| 18 | Mrs. PARIGYA SINGH | TGT(WE) |
| 19 | MR. S.L. YADAV | TGT(ART) |
| 20 | MRS. POONAM DEO | TGT(LIB) |
| 21 | MR. SANDEEP OJHA | TGT(PHE) |
| 22 | Mrs. MANJULA DUBEY | PRT |
| 23 | MR.AKASH SINGH | PRT |
| 24 | MR.ANURAG DWIVEDI | PRT |
| 25 | MR.MOHIT SHARMA | PRT |
| 26 | MR. MAHESH TOMAR | PRT |
| 27 | MISS PARIKSHA DEVI | PRT |
| 28 | MISS DIKSHA SHARMA | PRT |
| 29 | MISS KAMLESH RANI | PRT |
| 30 | MISS. RENUKA SAUNAKIYA | PRT (MUSIC) |
| 31 | MR. MANVENDRA KUMAR | PRT |
| 32 | MR. ANUPAM KUMAR | PRT |
| | | |
| | **OFFICE STAFF** | |
| 33 | MR. RAJEEV PANDEY | SSA |
| 34 | MR. PAWNESH KUMAR | JSA |
| 35 | MR. NAND KISHOR | SUB STAFF |
| 36 | Mr. RAMA SHANKAR KESHARI | SUB STAFF |
| 37 | Mr. KRIPA RAM | SUB STAFF |
| 38 | Mr. RAKESH KUMAR VIRHA | SUB STAFF |
| 39 | Mr. RAMESH KUMAR MISHRA | SUB STAFF |
| 40 | Mr. BABUA LAL SHARMA | SUB STAFF |

Phone: 07805-266986

Email: singraulikv@gmail.com

# केन्द्रीय विद्यालय सिंगरौली

## KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD
CBSE AFFILIATED

# ACADEMIC ACHIEVEMENTS

## 100% Results in Board Classes

सिंगरौली



केवि सिंगरौली का परीक्षाफल शत-प्रतिशत

### रीतेश कुमार 94.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर रहे प्रथम स्थान पर

हीरावती न्यूज टाइम्स

### केवि सिंगरौली का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

अनुष्का ने 97.4 प्रतिशत के साथ विज्ञान में 100 में 100 अंक प्राप्त किये

Phone: 07805-266986
Email: singraulikv@gmail.com

केन्द्रीय विद्यालय सिंगरौली

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD
CBSE AFFILIATED

# CLASS XII-TOPPERS OF SESSION 2018-19

| CLASS XII (SCIENCE) | |
|---|---|
| DEEKSHA SINGH | 90.2% |
| SATYAM KUMAR | 88% |
| **CLASS XII (HUMANITIES)** | |
| RITESH KUMAR PATHAK | 94.2% |
| SACHIT KUMAR SINGH | 93.2% |

Phone: 07805-266986
Email: singraulikv@gmail.com

केन्द्रीय विद्यालय सिंगरौली

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

AN AUTONOMOUS BODY UNDER MHRD
CBSE AFFILIATED

# CLASS X-TOPPERS OF SESSION 2018-19

| ANUSHKA TIWARI | ABHISHEK KUMAR MISHRA |
|---|---|
| 97.4% | 96.8% |

**AMONG TOP 1.5% OF KVS STUDENTS IN AISSE 2019 CONDUCTED BY CBSE.**

**BOTH OF THEM RECEIVED CASH PRIZE OF RS 5000/- EACH**

# Winners of Regional Science Exhibition

# क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में अजय-शाश्वत प्रथम

## जबलपुर में आयोजित हुई प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता | सिंगरौली (मोरवा)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की क्षेत्रीय स्तर विज्ञान प्रदर्शनी व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता केवी जीसीएफ जबलपुर में आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी व प्रतियोगिता में केवी सिंगरौली के दो छात्रों ने अलग अलग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 11वीं ब कक्षा के मास्टर अजय कुमार ने संसाधन प्रबंधन विषय पर मॉडल प्रस्तुत कर और इसी कक्षा के शाश्वत शर्मा ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 200 में से 180अंक हासिल कर जबलपुर रीजन के 400 छात्रों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदर्शनी में बतौर मुख्य अतिथि वाहन निर्माणी के बड़ी के चेयरमैन एवं केवी जीसीएफ के प्राचार्य व विभिन्न स्थानों से आये हुए निर्णायकों ने सिंगरौली के दोनों छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सोमवार को आयोजित हुई इस प्रतियोगिता के उपरांत वापस आये दोनों छात्रों को प्राचार्य सुजीत सक्सेना व सभी शिक्षकों के द्वारा सराहना कर प्रोत्साहित किया गया। इस प्रदर्शनी में [illegible] के 50 केन्द्रीय विद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया था। आगामी अप्रैल माह में चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली नेशनल लेवल की प्रदर्शनी में दोनों छात्र प्रतिभागी होंगे।

# SCOUTS(CUBS) & GUIDES(BULBULS) ACHIEVEMENTS

- Four Bulbuls received Swarn Pankh award.
- Four Bulbuls received Heerak Pankh award. (highest award of scouts & guide)
- Four Cubs Cleared Tritiya Charan.
- Four Cubs Cleared Chaturth Charan.
- 13 Scout & Guide passed Tritiya Sopan Exam.
- 04 Scout & Guide got Rajya puraskar.

# Atal Tinkering Lab (ATL)

- ATL is a work space where young minds can give shape to their ideas through hands...
- objective of creating scientific temper as well as cultivating the spirit of curiosity and creativity among young minds.
- Lab equipped with sophisticated machines and instruments such as 3D Printers and microcontrollers used for honing the technical and innovation related skills of students
- Help to bring theoretical concepts to life and inculcate a range of skills




KV SGRL

# ATAL TINKERING LAB(ATL)LEARNING ROBOTICS

# LANGUAGE LAB

**English Language lab** is designed to develop English language proficiency among the ESL learners of English as a second language.

**Facilitates .....**

- Enhancement of Spoken English skills.
- Practising English using everyday scenarios.
- Acquisition of vocabulary through integrated learning.
- Pronunciation practice.
- Integrated Functional Grammar.
- Extensive Listening and Speaking Practice.

# केवि सिंगरौली में आल वेदर स्टेशन की स्थापना

**हीरावती सिंगरौली।** केन्द्रीय विद्यालय सिंगरौली इस क्षेत्र का एक जाना-माना नाम है जो नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी कड़ी में इस विद्यालय ने अन्य विद्यालयों तथा संस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए अपनी कर्मठता तथा सुव्यवस्था के बल पर आल वेदर स्टेशन की स्थापना हेतु जीत दर्ज की है। इस विद्यालय का चयन आल वेदर स्टेशन की व्यवस्था के लिए किया गया है। वास्तव में यह एक अत्याधुनिक मौसम केन्द्र होता है। जिसमें वर्षामापी, बायुदाब मापी, पवन दिशा तथा गतिसूचक यंत्र तापमापी, आर्द्रतामापी तथा मौसम विज्ञान से संबंधित विविध यंत्र भारत सरकार के मौसम विज्ञान केन्द्र पुणे द्वारा विद्यालय परिसर में लगाये जायेंगे। इसका लाभ विद्यालय के बच्चों तथा अन्य सिंगरौली वासियों को भी मिलेगा तथा उन्हें मौसम पूर्वानुमान की जानकारी मिलेगी। इसकी स्थापना में विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना का विशेश योगदान रहा, जो कि निरन्तर विद्यालय की प्रगति हेतु प्रयासरत रहते हैं।

WEL COME
KIDS

WEL COME

KIDS

WEL COME
KIDS

WEL COME
KIDS

WEL COME
KIDS

KIDS

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAUL

# हिंदी विभाग

# और क्या लिखूँ

स्कूल में मैगजीन छप रही है, मिला है मुझे समाचार,
सोचा मैं भी लिख डालू, आर्टिकिल दो-चार ।।

कविता लिखूँ, कहानी लिखूँ, या फिर कोई लेख ?
इसी सोच में बैठी मैं, सिर घुटनों पर टेक ।।

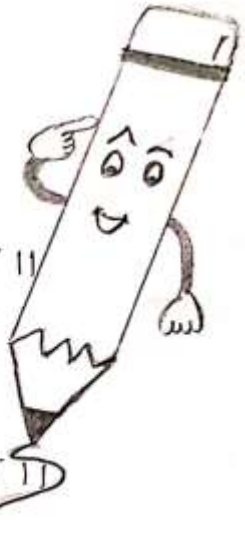

पूछा मम्मी विषय बताओ, या कोई प्रसंग,
जिसे पढ़े सब बड़े मजे से, और न हो कोई तंग ।।

सोचा बहुत पर लिखने को, मिली न कोई बात
इसी सोच में बैठी मैं, सुबह से हो गई रात ।।

इन्ही विचारों में खोकर, एक तुक्का लगा डाला
टूटे-फुटे शब्दों में, इस कविता को लिख डाला ।।

Name :- Priyanka gupta
Class :- 9th B.

# जिंदगी

दो पल की जिंदगी है
आज बचपन कल जवानी,
परसों बुढ़ापा, फिर खत्म कहानी है
चलो हँस कर जिए, चलो झुककर जिए
फिर ना आने वाली यह रात सुहानी
फिर ना आने वाला यह दिन सुहाना

कल जो बीत गया सो बीत गया
क्यों करते हो आने वाले कल की चिंता
आज और अभी जिओ, दूसरा पल हो ना हो
आओ जिंदगी को गाते चलें,
कुछ बातें मन की करते चलें
रूठों को मनाते चलें

आओ जीवन की कहानी प्यार से लिखते चलें
कुछ बोल मीठे बोलते चलें
कुछ रिश्ते नए बनाते चलें
क्या लाए थे क्या ले जायेंगे
आओ कुछ लुटाते चलें
आओ सब के साथ चलते चलें
जिंदगी का सफर यूं ही काटते चलें

By :- Raj Singh
IX B

# मीठा जहर मोबाइल

मीठा जहर बन गया अब मोबाइल, युवा वर्ग इसमे फंसा जा रहा,
व्हाट्सप फेसबुक और हाइक सभी का, शिकंजा है उस पर कसा जा रहा।
चाहे घर में हो बाजार में या सफ़र हर घड़ी चैट में मस्त खोया हुआ,
नींद भी उड़ गई रात भर जागते, सोचते मम्मी-पापा कि सोया हुआ।
अनगिनत दोस्त हैं ऑनलाइन सदा, कि उसे अब पढ़ाई की फुर्सत कहाँ,
सोचता है वो बुद्धू मुझे मिल गया सब, कि मुट्ठी में मेरे तो सारा जहाँ।।
कान में ठूंस कर दो रबड़ की नली, देखो कैसे बेचारा चला जा रहा।
मीठा जहर बन गया अब मोबाइल, युवा वर्ग इसमें फंसा जा रहा।।

शर्ट और पैंट चाहे फटी ही रहे, सेट एंड्राइड होना जरूरी बहुत,
पेट में कुछ नहीं तो फिकर भी नहीं, नेट का पैक होना जरूरी बहुत।
खींचे अपनी ही छवि उसको साझा करे, प्रोफाइल बनाता रहे हर घड़ी,
कभी आडियो और कभी वीडियो, बस मोबाइल चलाता रहे हर घड़ी।
जायेगा वह कहाँ कुछ पता ही नहीं, खुद से भी बेखबर बस चला जा रहा,
मीठा जहर बन गया अब मोबाइल, युवा वर्ग इसमें फंसा जा रहा।।

ऐ युवाओं बहुत ही खतरनाक हैं, साइबर की दफा, बच सकोगे नहीं,
मुंह कलंकित करोगे पिता मात का, ऋण बहुत है इसे भर सकोगे नहीं,
यह डगर चिर अंधेरे में ले जाएगी, ये तो दलदल है जिसमे धंसा जा रहा।
मीठा जहर बन गया अब मोबाइल, युवा वर्ग इसमें फंसा जा रहा।।

क्या रखी जाय तुझसे उम्मीदें बता, कल का भारत है तू तुझको क्या हो रहा,
देव संस्कृति का वाहक था होना जिसे, भार केवल मोबाइल का वह ढो रहा।
'फायदे भी अनेकों मोबाइल से हैं, मेरे भाई तुझे दिख रहा क्यों नहीं,
ज्ञान दुनिया का सारा गूगल में भरा, लाभ ले भाग्य खुद लिख रहा क्यों नहीं।।
सोच बदलो दिशाएं बदल जायेंगी, क्यों जवानी कलंकित किये जा रहा।
मीठा जहर बन गया अब मोबाइल, युवा वर्ग इसमें फंसा जा रहा।।

नाम - सोनम अग्रहरि
कक्षा - '9' 'ब'

# ऐसी है मेरी हिन्दी

जन-जन की भाषा है हिन्दी
भारत की आशा है हिन्दी .....
जिसने पुरे देश को जोड़े रखा है
वह मजबुत धागा है हिन्दी .....
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है हिन्दी
एकता की अनुपम परम्परा है हिन्दी .....
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवनरेखा है हिन्दी .....
सरल शब्दों मे कहा जाए तो
जीवन की परीभाषा है हिन्दी .....

काजल शाह
IX^th 'B'

# शायरी...

आप जैसे दोस्त से दूर होकर
हम जायेंगें कहाँ, ...2
आप जैसे दोस्त हम पायेंगें कहाँ
दिल को कैसे भी संभाल लेंगे हम
लेकिन आँखो के आँसु छुपायेंगें कहाँ।

ऐ दोस्त हर खुशी तेरी तरफ मोड़ दूँ, ...2
तेरे लिए चाँद तारे तक तोड़ दूँ,
खुशियों के दरवाजे भी तेरे लिए खोल दूँ,
इतना काफि है या दो-चार झुठ और बोल दूँ।

कोई कहता है दुनिया प्यार से चलती है, ...2
कोई कहता है दुनिया दोस्ती से चलती है,
मैंने आज़माया तो पता चला दुनियाँ
तो मतलब से चलती है।

लोग कहते हैं जमीं पर खुदा नहीं मिलता,
शायद उनलोगों को दोस्त कोई
तुमसा नहीं मिलता।

फर्क होता है किस्मत और लकीर में, ...2
फर्क होता है खुदा और फकीर में,
अगर कुछ चाहो और वो ना मिले तो
समझ लेना कुछ और अच्छा लिखा है,
तकदीर में।

आपकी दोस्ती मेरी गुरूर का ताज है
आप जैसे दोस्त पे हमें नाज है
चाहे कुछ भी हो जाए
हमारी दोस्ती वैसे ही रहेगी
जैसे आज है।

कोई रोज़ा रखता है, कोई उपवास ...2
लेकिन दुआ उसी की कबूल होती है जिसने
अपने माँ-बाप को अपने पास

रज़ा / 9'ब' तबस्सुम फिरदौस

# गरीबों के लिए चन्दा

एक बार बीरबल गरीबों की बस्ती में रहने वाले लोगों के लिए चन्दा वसूल कर रहे थे। वे इस काम के लिए बस्ती के सर्वाधिक मालदार आदमी के मकान पर पहुंच गए।

वह आदमी बहुत कंजूस था। जैसे ही बीरबल ने चन्दे की थैली कंजूस व्यक्ति के आगे फैलाई, वह फौरन, वह से उठा और उसने कहा "मैं कहां से दूं?

"क्यो जनाब?" बीरबल ने उदारतापूर्वक पूछा।
"क्योंकि मेरे पास तो फिलहाल कुछ भी नहीं है।"
उसकी बात पर बीरबल ने झट से उत्तर दिया - "कोई बात नहीं जनाब। फिलहाल आप इस थैली में से ही कुछ निकाल लीजिए।" "मैं कुछ समझा नही बीरबल?" कंजूस ने कहा।
"दरअसल बात यह है कि यह चन्दा गरीबों के लिए ही तो जुटाया जा रहा है।" बीरबल ने कहा।

धन्यवाद!

नाम - त्रिक्षा - परविन
कक्षा - छठवी (ब)

# सबसे बड़ा धनी

एक आदमी को बहुत ही दीन और हैरान देखकर दूसरे ने पूछा - "क्यों भाई क्या बात है?"
वह बोला - "मैं बहुत ही गरिब हूं मेरे पास कुछ भी नहीं है।" "कुछ भी नहीं है।" दूसरे ने अचरज से पूछा - 'तुम सच नहीं बोल रहे हो।" "नहीं मैं आपसे ठीक कह रहा हूँ।" "अच्छा तो तुम एक काम करो। दूसरे ने कहा - " तुम्हारे पास दो कान हैं, एक काटकर मुझे दे दो, मैं इसके बदले तुम्हे एक हजार रुपए दूंगा।" "नहीं, मैं अपना कान नहीं दे सकता।" "तो अपनी दो आंखों में से एक आंख दे दो, यह लो पाँच हजार रुपए।" "नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता।" "अच्छा तो एक हाथ ही दे दो, यह लो दस हजार रुपए।" "जी नहीं। यह नहीं हो सकता।" तब दूसरे ने कहा - "फिर तुम कैसे कहते हो कि तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है? तुम्हारे पास एक दूने दो यानी दो हज़ार रुपए से ज्यादा के कान हैं, पाँच दूने दस, दस हजार से ज्यादा की आँखे हैं। और दस-दूने बीस, बीस हजार से ज्यादा के हाथ हैं। जब कान, आँख और हाथ का इतना मूल्य है तो पूरे शरीर का जाने कितना होगा।" पहला चुप।
दूसरे ने कहा - "देखो तुम्हारे पास कितनी बड़ी दौलत है। जिसके पास अच्छी-अच्छी बातें सुनने के लिए कान हों, अच्छी अच्छी चीज़ि देखने के लिए आंखे हों, अच्छे-अच्छे काम करने के लिए हाथ हों, उससे बढ़कर धनी और कौन हो सकता है।"

नाम - खुशी कुमारी
कक्षा - दसवीं 'ब'

कहानी

मच्छर और खटमल

एक महल मे एक राजा था उस राजा के कमरे मे एक खटमल रहता था एक दिन एक मच्छर राजा के कमरे की खिड़की से अंदर आ गया फिर वह राजा के कमरे मे उड़ रहा था उसने खटमल को देखा और कहा, दोस्त तुम मुझे बताओ की राजा को कहाँ काटू और कैसे खटमल तो राजा के बिस्तर के नीचे रहता था तो उसने कहा को राजा जब आएँगे तो उनके पैर की एड़ी मे काटना लेकिन वो सो जाए तब मच्छर ने कहा ठीक है। जब राजा आए तो मच्छर बहुत खुश हुआ जब राजा सोने के लिए बिस्तर पर आए तो मच्छर को सब्र नही हुआ और तुरंत राजा को काट दिया और उनके पैर पर नही बल्की उनके हाथो पर काटा। राजा जी ने कहा - सैनि-सैनिको ने बिस्तर पर देखा तो खटमल सो रहा था सैनिको ने कहा महाराज यह खटमल मिला है और उन्होने खटमल को और मच्छर बचाया।

सीख - किसी को बीना जाने और उसपर भरोसा नही करना चाहिए

नाम - श्रद्धा प्रजापति

कक्षा - 6 'ब'

# शान्ति संदेश

कभी न झगड़े निबट सकेंगे
बरछी तीर कमानों से।

दुनिया के झगड़े निबटेंगे,
प्यार और मुस्कानों से।

छोटा-सा संसार हमारा
मिलजुल कर रहे सभी इंसान।

नीचे बिछी मखमली धरती,
ऊपर तना नीला वितान।

छोटा - बड़ा नहीं कोई भी,
सभी एक से, सभी समान।

मिट्टी के पुतले हैं हम सब,
नहीं देवता, न भगवान।

एक दूसरे का दुख समझें
करें सभी को मन - तन प्यार।

यही जीवन का मूलमंत्र हो,
यही सब धर्मों का हो सार।

करुणा वर्मा
कक्षा - 7 A

# -¦- नन्हा पौधा -¦-

एक बीज था गया बहुत ही
गहराई में बोया,
उसी बीज के अंदर मे था
नन्हा पौधा

उस पौधे को मंद पवन ने
आकर जरा जगाया
नन्हीं - नन्ही बूंदों ने फिर
उस पर जल बरसाया।

सूरज बोला, "प्यारे पौधे
निद्रा दूर भगाओ,
अलसायी आँखे खोलो तुम
उठकर बाहर आओ।"

आँख खोलकर नन्हें पौधे
ने जब ली अँगड़ाई,
एक अनोखी नई शक्ति
सी उसके तन मे
आई।

नींद छोड़ आलस्य
त्यागकर पौधा बाहर
आया बाहर का संसार
बड़ी ही अद्भुत
उसने पाया।

Shivani Dwivedi

# परीक्षा

चाचा बोले सुनो भतीजे मानो बात हमारी,
इम्तहान का दिन आया है कर लो कुछ तैयारी,
बेटा छोड़ो सैर सपाटा तो ही जिस
दिन बैठेगा सौ अंको का हास हँसकर.
बोला उनका भतीजा हम है तेज़,
नए ज़माने में पढ़ते है नया - नया,
अंदाज है नया हमारी पक्की,
है तैयारी कांपे सभी हमसे,
२ तैयार हैं फौज़ हमारी।

नाम - करूणा वर्मा
कक्षा - 7th 'A'

# बूझो तो जाने

## लोमड़ी और अंगूर

काफी समय पहले जंगल मे एक चालाक लोमड़ी रहता था. एक दिन काफी प्रयत्न के बाद भी वह शिकार नहीं कर पाया शिकार ना मिलने पर वह थका - हारा वह बेचारा भूखा रह गया था. वह आस - पास ढूंढने लगा और वह सोचने लगा की कुछ तो मिल जाये लेकिन फिर भी वह चलता गया। पर उसे कुछ नहीं मिला। और अब उसे प्यास भी लगने लगी अचानक से उसे एक अंगूर का पेड़ दिखा जिसमे बहुत सारे पके हुए स्वादिष्ट अंगूर थे। लोमड़ी के मुंह मे पानी आ गया। उसने कहा "वाह वह अंगूर कितने मीठे लग रहे हैं। लगता है आज मुझे अंगूर खाकर ही भूख मिटानी होगी। वह दौड़ कर पेड़ के पास पहुँचा पर अंगूर पेड़ पर बहुत ऊंचे थे। उसने छलांगें लगाई लेकिन अंगूर इतने ऊपर थे कि वह उसे नहीं तोड़ पाया। उसने फिर छलांग लगाई लेकिन अंगूर इतने ऊंचे थे की लोमड़ी अंगूर तक नहीं पहुँच पाया। उसने फीर छलांग लगाई तब भी वह नहीं पहुँच पाया। उसने बहुत बार छलांग लगाकर अंगूर तोड़ने का प्रयास कीया फीर भी वह अंगूर नहीं तोड़ पाया फीर लोमड़ी वही थोड़ी दूर से दौड़ कर छलांग लगाने की कोशिश कि लेकिन वह फीर भी नहीं पहुँच पाया। इस तरह से लोमड़ी अंगूर नहीं तोड़ पाया।

Name - Durga Ku.
Class - 7 'A'
Roll no- 7

VIII 'H'

# हिन्दी कविता

आजादी की नींव रखी थी भारत माँ के वीरो ने
मन में न उनका लालचा पाया था सोने ने न हीरो ने,
नारा था उनके लबों पे स्वतंत्रता आजादी का,
जुनून था सीनों में बस भारत माँ की आजादी का
इस जुनून के खातिर ही तो उतरे थे मैदान मे,
कर दिया था खुद को कुर्बान इस देश की शान में,
इस मिट्टी के प्रति उन्होंने अपना धर्म निभाया था,
आजादी के खातिर हम सबको लड़ाना सिखाया था
वक्त है आज खुशहाली का तो ऐन है उन वीरों की,
करता है आज याद हर देशवासी कुर्बानी उन वीरों की
भारत माँ के हर उस बेटे को नमन है,
जिसकी वजह से आज ये देश खिलता हुआ चमन है,

नाम :- दिव्या कुमारी
कक्षा :- सातवी 'अ'

हिन्दी कविता

## सीखो

सैनिक से बलिदान सीखो,
पेड़ से तुम झुक जाना।
बैल से बोझ उठाना सीखो
पत्थर से मजबूत बन जाना
छत से तुम छाँव देना सीखो,
सूरज से नियमित बनना।
मोमबत्ती से रोशन करना सीखो,
उजाले से सदा फैल जाना।
मूर्ति से सहन करना सीखो,
ईश्वर से माँफ कर देना।
इस धरती पर तुम आए हो तो,
कुछ अच्छा सीख कर ही जाना

— निष्ठा श्रीवास्तव
— सातवी 'ब'

कभी लेती नहीं श्रेय जो किसी चीज का
और मार देते हो उसे ही तुम जान "से ॥
नाम:- दिव्या कुमारी
कक्षा:- सातवी 'अ'

# हमारी ख्वाहिश

सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है
देखना है ज़ोर कितना बाजू-ए-कातिल में है।

रहबरे राहे मुहब्बत रह न जाना राह में
लज़्ज़ते सहरा से क्या बताऐ क्या हमारे दिल में है।

वक्त आने दे बता देंगें तुझे ऐ आसमाँ।
हम अभी से क्या बताऐं, क्या हमारे दिल में है।

अब न अगले वलवले हैं और न अरमानो की भीड़
एक मिट जाने की हसरत दिल बिस्मिल में है

आज मकतल में ये कातिल कह रहा है बार-बार
क्या तमन्ना-ए-शहादत भी किसी के दिल में है।

नाम- रोशनी कुमारी
कक्षा 7 'B'

# सीखो

सैनिक से बलिदान सीखो,
पेड़ से तुम झुक जाना।

बैल से बोझ उठाना सीखो
पत्थर से मजबूत बन जाना

छत से तुम छाँव देना सीखो,
सूरज से नियमित बनना।

मोमबत्ती से रोशन करना सीखो,
उजाले से सदा फैल जाना।

मूर्ति से सहन करना सीखो,
ईश्वर से माँफ कर देना।

इस धरती पर तुम आए हो तो,
कुछ अच्छा सीख कर ही जाना

— निष्ठा श्रीवास्तव
— सातवी 'ब'

# -: मुझको है आशा :-

सारे देश में हो रहा है तमाशा ।
फिर भी... मुझको है आशा ॥
शक्कर हुई महंगी, रो रहा है बताशा,
दूध में बोर्नविटा नहीं नाराज है नताशा ।
चाहे प्रॉब्लम ज्यादा हो या ज़रा सा,
फिर भी... मुझको है आशा ॥
दाल के भाव बढ़ गये हैं,
तेल के भाव चढ़ गये हैं।
दूधपावडर का रेट सुनकर,
हाथपांव अकड़ गये हैं !
छोटी सी पगार में कैसे चलेगा खर्च?
सोच-सोच कर हो गई है हताशा,
फिर भी... मुझको है आशा ॥
टी.वी. सस्ता हो गया है
मनोरंजन का रास्ता खुल गया है
बच्चा चिपक गया सिरियल से
और बच्चा भूल गया है खेल का,
फिर भी... मुझको है आशा ॥

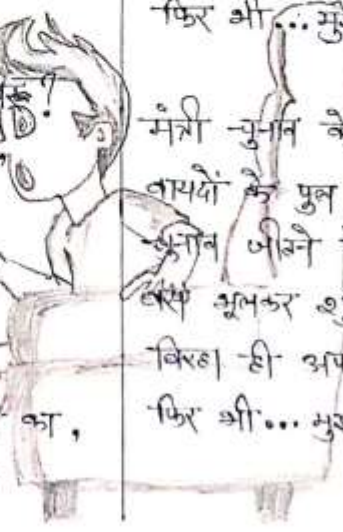



स्कूलों में, कॉलेजो में बच्चे
बेकार घूम रहे हैं
पढ़-लिखकर बेरोजगार बन
सिर धुन रहें हैं
मन में है घोर निराशा
फिर भी... मुझको है आशा ॥

मंत्री चुनाव के लिये
वायदों के पुल बनाते हैं
चुनाव जीतने के बाद,
सब भूलकर शुरू मनाते हैं
विरहा ही अपना वाया है निराश
फिर भी... मुझको है आशा ॥

— अनन्या चौधरी
XI-th-A

# जय हो सतलज बहन तुम्हारी

जय हो सतलज बहन तुम्हारी
लीला अचरज बहन तुम्हारी
हुआ मुदित मन हटा खुमारी
जाऊं मैं तुम पर बलिहारी
तुम बेटी यह बाप हिमालय
प्रकृति नटी के चित्रित पट पर
अनुपम अद्भुत छाप हिमालय
जय हो सतलज बहन तुम्हारी !

नाम :- सबिया
कक्षा :- सातवी 'ब'

# मैं और मेरा देश

मैं और मेरा देश एक समान,
मैं गाती थी सुख का गान
देश का भी था बहुत सम्मान।
न जाने किसकी लगी नज़र,
अंग्रेजी शासन से गया देश बिखर।
मेरे भी दुःख का हुआ उत्कर्ष।
देश के वीर जवानों ने किया जंग मंथन,
फिरंगियों को दूर भगाया।
बचाया देश की आन।
मैंने भी ठानी लड़ने की।
निकल जाये चाहे प्राण,
आतंकवाद साम्प्रदायिकता से बचाऊँगी देश की शान।
अन्ततः मुझे मिला सम्मान समाज में,
और देश को विश्व में,
इसलिए ले कहती हूँ,
मैं और मेरा देश एक समान,
करती रहूँगी सदा इसका गुणगान।

नाम - आकृति सिंह
कक्षा - आठवीं 'अ'

# हिम्मत कभी न हारना

मत डरो, मत डरो
मत यूँ पाँव पसारना।
हिम्मत कभी न हारना,
थोड़ा तान डटे रहना।

एक रहो, मत अलग रहो,
मकसद अपना हो बढ़ना।
कभी न तुम दम भरना,
हिम्मत कभी न हारना।

भविष्य अपना सुधारेगा,
काँटों में फूल खिलेंगे।
आँधी आए या तूफान,
मत झुकाओ अपनी शान।

लक्ष्य पर रखो अपना ध्यान,
तभी मिलेगा तुमको मान।
मत डरो, मत हारो,
मत यूँ पाँव पसारना।
हिम्मत कभी न हारना

अनामिका
बिरी
आठवीं 'अ'

# मेंढ़क की शादी

मेंढ़क ने शादी जो रचाई,
मांगने लगे दोस्त मिठाई।

मेंढ़की थी जरा तुनकमिजाज,
भाया नहीं मेंढक का साज।।

बोली नहीं चलेगी पार्टी,
मेरे घर में अब तो मेरा राज।

बेचारा मेंढ़क हुआ उदास,
पानी में रोया टूटी आस।

सब मैंढ़ल का पाया धोखा;
क्यों कर दिया ऐसा विश्वास।।

सामने पेड़ पर बैठा बंदर,
झांक गया मेंढक के अंदर।
बोला ठहर बताऊँ राज,
समझा उसे प्यार का मंतर।।

मेंढ़क ने चलाया वही बाण,
मेंढ़की भूली अपनी शान।.....

पुष्पा कुमारी
9th 'A'

# मेरी ख्वाहिशें

सरफ़रोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है,
देखना है ज़ोर कितना, बाज़ू-ए- कातिल में है।

रहबरे राहे मुहब्बत रह न जाना रात में,
लज़्ज़तें सहरा नवर्दी दूरी-ए- मंजिल में है।

अब न अगले वलवले है और न अरमानों की भीड़
एक मिट जाने की हसरत अब दिल-ए-बिस्मिल में है।

वक़्त आने दे, बता देंगे तुझे, ऐ आसमां।
हम अभी से क्या बताएँ, क्या हमारे दिल में है।

आज मकतल में ये क़ातिल कह रहा है बार-बार
क्या तमन्ना-ए- शहादत भी किसी के दिल में है।

नामः- साजिया
कक्षा:- सातवीं 'ब'

# सामान्य ज्ञान

शाम के समय जब सुर्यास्त होता है तब हमेशा परछाई पुर्व के तरफ होता है।

सुबह के समय जब सुर्योदय होता है तो हमेसा परछाई पश्चिम के तरफ होता है।

जब कोई व्यक्ति सुर्योदय के समय अपना चहरा उत्तर की तरफ किये होता है तब उसकी परछाँई बाँय तरफ होती है, और सुर्यास्त के समय उसकी परछाँई दाँयी तरफ होती है।

दोपहर के 12:00 बजे के समय सुर्य की किरणें उपर से पृथ्वी पर पड़ती है तो किसी भी वस्तु की परछाँई नहीं बनती है।

द्वारा:- प्रियांशु और राहुल
9वीं 'अ'

# पर्यावरण

आज पर्यावरण को बचाना है।
जल संरक्षण, जंगल संरक्षण का नारा लगाना है।
जल, जंगल है तो जीवन है,
यह हर किसी को सिखाना है।
नहीं कुछ करना है ज्यादा,
बस एक वृक्ष लगाना है।
मौत या जिंदगी, जहर या अमृत,
आज संकल्प लेना है।
दुनिया में घूम-घूमकर सबसे यह पूछना है,
कि क्यों करते हो तुम वृक्षों का नाश।
क्यों समझते हो प्रदूषण दैत्य को महान,
क्या ऐसे में ही बढ़ेगी भारत की शान।

पूजा पनिका
पांचवी 'अ'

# माँ

जिस माँ ने तुम्हे जन्म दिया
तुम भूल गए उस तन को
जिसने था तुम्हे प्यार दिया
तुम भूल गए उस मन को,
माँ की ममता अनमोल
न इसकी है कोई कीमत,
माँ तो है ममता की मूरत
इसकी यही हकीकत,
जिस बेटे को पाला पोसा,
बड़ा किया, फिर बोला
माँ तू ने मेरा किया क्या था।
यह कहकर घर से डोला।
दूर विदेश कमाने चला गया।
मन बहु भाँति लगाई
भूल बिसर कर भी बेटे को,
याद न माँ की आई।
दो दूध की रोटी की भी,
लाले पड़ते आये।
पीड़ा के दिन माँ पर आए।
रोती तब वह जाए।
हा! बेटा तुमको हमने
क्या इस दिन के लिए था पाला
गीले बिस्तर पर खुद सोकर
तुमको सूखे में डाला।

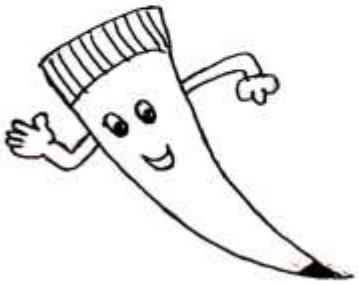

SNEHA KUMARI
'IX' A

# वाख

सी कच्चे धागो की, खींच रही मैं नाव।
ने जब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।
पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।
जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।

खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बंद द्वार की।

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमाँ।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।।

Name - Gyanendra Chaturvedi
Class - IX 'A'

# भ्रष्टाचार

एक दो, एक-दो;
भ्रष्टाचार को फेंक दो।

जेब से आधा ये दुनियाँ में भ्रष्टाचार,
तब से लोग कर रहे हैं खूब दुराचार।

इसकी छाया बन रही है सर्वव्यापी,
पर परमात्मा के प्रति यह है पापी।

है नेता भ्रष्टाचारी, तो है दुनिया दुराचारी,
है भगवान! पकड़ो बैंया और पार करो नैया।

लोगो। भ्रष्टाचार को मारो ऐसे गोले,
ताकि हर बच्चा सिर्फ यही बोले,
कि.....

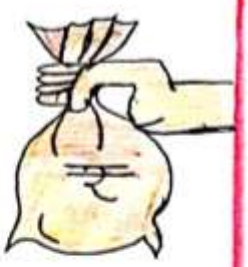

एक दो, एक दो;
भ्रष्टाचार को फेंक दो।

नाम -> करिश्मा गुप्ता
कक्षा -> नवीं 'अ'

# जीवन (कविता)

मन के आगे किसका चला है
कौन यहाँ रह पायेगा ।
छोड़ के काया जाना है,
सब कुछ ही तो मिट जाएगा ॥

सुख मे सब कोई अपना लागे
तो दिल हर्षित हो जाता है,
देखो - देखो सब कोई भागे,
दुःख सर पर जब आता है ॥

काया है मिट्टी का जानो
कर्म ही साथ मे जाएगा ।
एक खुदा है, एक को जानो
तो फिर काया पायेगा ॥

मिट्टी का ये खेल खिलौना
कब कैसे टूट जाएगा, ।
प्रेम करो, तुम प्रीति लगाओ
यश ही साथ मे जाएगा ॥

पल भर का है मिलना - जुलना
माया की ये नगरी है
प्रेम का साथ न छोड़ो भैया
राम का प्रेम तो शबरी है ॥

संजय पाल

# -: बेटियाँ :-

बेटी मानव प्रेरणा की स्त्रोत हैं,
करुणा और दया से ओत - प्रोत हैं।
फिर भी मानव के अन्दर एक खोट है,
सोचता है, बिन बेटा सूनी पत्नी की गोद है॥

बेटा होने की बजती हैं, शहनाईयाँ
फूटती हैं, आतिशबाजियाँ
और बँटती हैं, मिठाईयाँ
पर बेटी होते ही उड़ जाती हैं,
चेहरे पर हवाईयाँ
जैसे पड़ गई हो मातम की, परछाईयाँ॥

ऐसे कहूँ मानव की मनोव्यथा,
यह सुरसा के समान बढ़ती हुई दहेज प्रथा॥
अरे! मानव तू जाग, मत लगा बेटा - बेटी में
भेदभाव की आग॥

बेटी होने पर तू न समझ अपना दुर्भाग्य,
क्यों बेटी होने पर तू रोता है।
तू भी तो किसी के बेटी का बेटा है॥

बेटियाँ पावन दुआएँ हैं॥

— कशिश शर्मा
XI-H

# हिंगालिश

मेरा जीवन OUT OF DATE हो गया।
शायद यमराज LATE हो गया।
या उसकी नजर FISS हो गई।
या शायद मेरी तारिख MISS हो गई।
मैंने 'MOBAIL घुमाया।
यमराज बोले WHO हो।
मैंने कहा HOSPITAL में सोए हैं हम।
अरे मौत की LINE में खड़े हैं हम।
यमराज बोले LIFE लेना तो EASY है।
पर मेरा 5 STAFF DEHLI में BUSY है।

# चुटकुले

टेनिस कोच – मैं टेनिस के बारे में सब कुछ जानता हूँ।
तुम टेनिस के बारे में कुछ भी पूछ सकते हैं।

सोमू – सर, फिर बताएँ कि जाल में कितने छेद होते हैं।

नाम : नंदिनी यादव
कक्षा : 8 'ब'

# हम बच्चे हिन्दुस्तान के

हम बच्चे हिन्दुस्तान के,
फूल हैं विज्ञान के।
ऊँचा ध्वज फैलाएँगे,
ज्ञान और विज्ञान के।

पढ़-लिख कर विद्वान बनेंगें,
और देश का नाम करेंगें।
जिससे गौरव बढ़ेगा देश का
वही हमेशा काम करेंगें।

कशिश वर्मा
पांचवी ब

# पापा

पापा क्या लिखू मैं आपके बारे में
पापा क्या लिखू मैं आपके बारे में
तकलीफे सैंहकर घर को चलाते हो
बच्चे भूखे ना रहे
बच्चे भूखे ना रहे, इसलिए दो रोटी कम खाते हो
घर का सारा बोझ अपने कन्धो पर उठाते हो
घर का सारा बोझ अपने कन्धो पर उठाते हो
बच्चो से कितना प्यार है आपको
लेकिन कभी जताते नहीं हो,
अपने बच्चो के खातिर
अपने बच्चो के खातिर, सारी दुनिया से लड जाते हो
पापा आप सचमें महान हो
आप ही मेरी दुनिया आप ही मेरी जान हो
भगवान तो होते है इस दुनिया में
पर मेरे भगवान तो आप ही हो
आप ही मेरी दुनिया आप ही मेरा संसार हो।

# गौरैया (कविता)

मेरे मटमैले अँगना मे,
फुदक रही गौरिया

कच्ची मिट्टी की दीवारे
घास-पात छाजन

मैंने अपना नीड़ बनाया
तिनके-तिनके चुन-चुन

कहाँ कहाँ से तू आ बैठी
हरियाली की रानी

प्रीत करता है तुझसे घूम लूँ
ले लूँ मधुर बलैया

मेरे मटमैले आँगन मे
फुदक रही गौरिया

नीलम की-सी नीली आँखे
सोने सा सुन्दर पर

अंग-अंग मे बिजली सी धार
फुदक रही तू फर-फर

फूली नही समाती तू तो
तुझे देख हैरानी

आजा तुझे वतन बना लूँ
और बनूँ मै मैया

मेरे मटमैले आँगन मे
फुदक रही गौरिया

Name- Ayushi Sigh
class- VII 'A'

चित्रकला प्रदर्शनी

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
NCL
150
चित्रकला प्रदर्शनी

Colour Shading

Say No To

REDMI NOTE 6 PRO

Made by
Kashish Gupta
9th A

Best Friend forever

# अंग्रेजी विभाग

# HAPPY FOLKS

I saw some red jelly
He was very jelly
Though the fridge was chilly
I wished to be as jelly
As the red jelly
So I took the red jelly
And put him in my belly

ANUSHKA & VASUNDHRA
V^th A

# Attention Please !

My dear friends please pay attention.
I have a few things here to mention.
When you enter the school gate.
be sure that you're never late.
Then sing your prayer with a pure heart.
This is how everyday must start.
Listen to what your teachers say.
This builds your knowledge day-by-day.
You come to school for a better aim.
To be great and have a big name.
If a teacher scolds, never mind.
She has a good intention behind.
Be obedient and be smart.
Then you'll pull well your life's cart.
These few things I wanted to mention.
Thankyou for your time and kind attention.

Abhishek kumar Mishra
XI B

# Being Alone

Jasmeet Kaur (11)

Today I need to be alone.
Silent, still, no friend, no phone,
Alone with my thoughts.
Alone in my dreams.
Alone in the night
Alone with my screams.
There are more things to being alone,
Being alone doesn't mean being lonely,
But being alone is btter than being bored!

Name - Jasmeet Kaur
Class 'V' B
Rollno. 5208

# THE FAMILY TRAIN

Our family is like a train on the go.
We may be fast or slow.
We always go with the flow.
Through light and shadow,
Oven lands high and low,
We watch the passing show,
we dance and sing as we go,
Our train runs with a glow,
we always go with the flow.

Name :- Yash, Prateek, Yuvraj
Class :- 4th B

# FATHER

Date

My father was a man who had smiles
to brighten my days
who always made me feel good with
his warm words of praise.
And what's more he knew what to do
to make my wishes come true
He was my father.

My father was someone who always
had good stories to tell,
but just ~~as~~ as importantly he knew
how to be a good listener as well.
He was patient and kind and the very
best friend I could ever hope to find.
He was not an ordinary man.

And I'm proud to tell the world that
he was my father.
My father was always my pillar
when I knew I would fall.

'DAD' I LOVE U

Name - PALAK SINGH
class - 11 ARTS

# I'M THE ONE

I'm the one who sees herself in the mirror
With no respect or regard,
But with a hope inside that shows,
Myself so true and pure.
I can see inside me,
A question that wants an answer.
And that's quite a problem by itself,
Neither do I know nor does she,
But both are calm like a sea.
Have I done a thing that is a crime,
Or done a thing that is prime?
No wonder what I see in myself
A willingness to be true and pure.
I hope, one day,
That I have been searching since long,
I'm that one who sees herself in the mirror
I will find myself true and pure.
But I hope, one day,

No error

NAME -> Akriti Mishra
Class -> V-B
Roll no -> 5201

# My Christmas wish

I wish this christmas,
that kids like me,
get lots of toys,
under their trees.

I wish this christmas,
that kids like me,
Plenty of happiness,
Will feel and see.

I wish this christmas
that kids like me
Are never lonely,
and always free.

I wish this christmas
that kids like me,
Have lots of friends,
on both land and sea.

and kids like me,
are healthy from
A to Z.

But if only one wish
comes true,
I hope love in their hearts
sticks just like glue

By:- Ashrin
XI 'A'

# Life Is Short

They Say it takes a minute
to find a Special person,
an hour to appreciate them.
a day to love them,
but then an entire life
to forget them.

Send this phrase to People
You'll never forget
It's a Short massage
to let them Know
that you'll never forget them.

If you don't Send it to anyone
it means you're in a hurry.
and that you've forgotten.
Your friends.

Saniya Parveen
7th [B]

# Mother's Day Acrostic Poem

"M" is for the million things she gave me,
"O" means only that she's growing old,
"T" is for the tears she shed to save me,
"H" is for her heart of purest gold;—
"E" is for her eyes, with love-light shining
"R" means right, and she'll always be,
Put them all together, they spell "mother"
A word that means the world to me.—

Name = Anamit

Sin

# Inspirational Quotes

# "Its not about ideas its about making ideas happen.

# Always deliver more than Expected.

# Surround yourself with only people who are going to lift you higer.

# Love yourself first.

# Save yourself by yourself.

# A rise
A wake
And not stop till
The goal is reached.

# Past is not worth mourning don't worry for the futures. the wise advise (us) to live by the present time.

# Your times is limited so don't waste it living someone else's life.

Pallavi Panika
VIII th A.

# How Beautiful is the Rain

## Let's read the poem

How beautiful is the rain
After the dust and heat,
In the broad and fiery
Street, In the narrow lane,
How beautiful is the rain!

How it clatters along
the roofs, like the
tramp of hoofs! How
it gushes and struggles
out from the throat
of the overflowing spout!

Across the window pane
It pours and pours;
And swift and wide,
With a muddy tide,
like a river down the
gutter roars the rain,
the welcome rain!

Kamna Verma
4th A

# Inspirational Quotes

# "Its not about ideas its about making ideas happen.

# Always deliver more than Expected.

# Surround yourself with only people who are going to lift you higer.

# Love yourself first.

# Save yourself by yourself.

# A rise
A wake
And not stop till
The goal is reached.

# Past is not worth mourning Dont worry for the futures. the wise advise (us) to live by the present time.

# Your times is limited so don't waste it living someone else's life.

Pallavi Panika
VIII[th] A

# Thought

i) "Don't cry because it's over,
Simle because it happened."
— Dr. Seuss

ii) "I've learned that people will forget what you said, people will forget what you did, but people never forget how you made them feel.
— Maya Angelau.

iii) "Life isn't about finding yourself
Life is about creating yourself.
— George Bernard Shaw

iv) "Everyone thinks of changing the world,
but no one thinks of changing himself.
— Leo Tolstoy.

v) "Past is a nice place to visit,
but certainly not a good place to stay.

vi) "Losers are never win the game, and
Winners are never quite the game."

vii) "To be the Best, You must be able to
Handle the Worst.

viii) Life is the most difficult exam.
Many people fail because they try to copy others.
not realizing that everyone has a different
question paper.

Name- Anamika
Giri
Class-VIII

# How Beautiful is the Rain

Let's read the poem

How beautiful is the rain
After the Dust and heat,
In the broad and fiery
Street, In the narrow lane,
How beautiful is the rain!

How it clatters along
the roofs, Like the
tramp of hoofs! How
it gushes and struggles
out from the throat
of the overflowing spout!

Across the window Pane
It pours and Pours;
And swift and wide,
With a muddy tide,
Like a river Down the
gutter roars The rain,
the welcome rain!

Karuna Verma
7th 'A'

# My Best Friend

Today I found a friend,
Who knew everything I felt.
She knew my every weakness
And the problems I've been dealt.
She understood my wonders,
And listened to my dreams
She listened to how I felt about life and love,
And knew what it all means.
Not once did she interrupt me,
Or tell me I was wrong.
She understood what I was going through,
And promised she'd stay long.
I reached out to this friend.
To show her that i cared
To pull her close and let her know
How much I need her there
I went to hold her hand
To pull her a bit nearer
And realized that this perfect friend I found
Was nothing but my mirror.

• By Hayley Smith [my friends are great]

# SPORTS ACTIVITIES

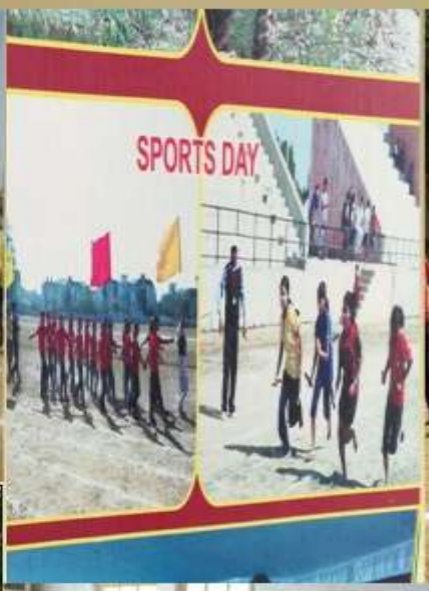

# LITFEST ACTIVITIES

# 73rd INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

# SWACCHA BHARAT ABHIYAN – SWACHCHATA PAKHWADA

# संस्कृत विभाग

# संस्कृत श्लोक

वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं।।

प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात तदेव वक्तव्यम वचने का दरिद्रता।।

यथा चतुर्भिः कनकं परीक्ष्यते निर्घषणच्छेदन तापताडनैः।
तथा चतुर्भिः पुरुषः परीक्ष्यते त्यागेन शीलेन गुणेन कर्मणा।।

सत्य - सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम्।।

दर्शने स्पर्शणे वापि श्रवणे भाषणेऽपि वा।
यत्र द्रवत्यन्तरङ्गं स स्नेह इति कथ्यते।।

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते।
मृज्यया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते।।

न चोरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी।
व्यये कृते वर्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधन प्रधानम्।।

सुखार्थिनः कुतोविद्या नास्ति विद्यार्थिनः सुखम्
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत्

नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत्।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम्।।

नाम ⇒ अनिकेत तिवारी
कक्षा ⇒ दसवीं 'अ'

# ध्येय वाक्यानि

राष्ट्रे विविध्येषु सर्वकारीयसंस्थासु राष्ट्रिय उद्योगेषु वा व्यवहृतानाम् आदर्श संस्कृत ध्येय वाक्यानि

1. भारत शासनस्य - सत्यमेव जयते।
2. डाकतार विभागस्य - अहर्निशं सेवामहे।
3. जीवन बीमा निगमस्य - योगक्षेमं वहाम्यहम्।
4. भारतीय वायुसेनायाः - नभः स्पृशं दीप्तम्।
5. विद्युत विभागस्य - तमसो मा ज्योतिर्गमय।
6. स्वास्थ्य विभागस्य - सर्वे भवन्तु सुखिनः।
7. केन्द्रीय विद्यालयस्य - तत् त्वं पूषन् अपावृणु।
8. सर्वोच्च न्यायालयस्य - यतो धर्मः ततो जयः।
9. लोकसभायाः - धर्मचक्र - प्रवर्तनाय।
10. स्थलसेनायाः - सेवा अस्माकं धर्मः।

संकलनः सानिया रिमझिम
अष्टमी - ब

# संस्कृत श्लोक

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

वाणी रसवती यस्य यस्य श्रमवती क्रिया ।
लक्ष्मीः दानवती यस्य सफलं तस्य जीवितं ।।

प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदैव वक्तव्यम वचने का दरिद्रता ।।

प्रदोषे दीपकः चन्द्रः प्रभाते दीपकः रविः ।
त्रैलोक्ये दीपकः धर्मः, सुपुत्रः कुलदीपकः ।।

सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छाया समन्वितः ।
यदि दैवाद् फलं नास्ति, छाया केन निवार्यते ।।

नाम -> रेनू सिंह
कक्षा -> सप्तमी 'अ'

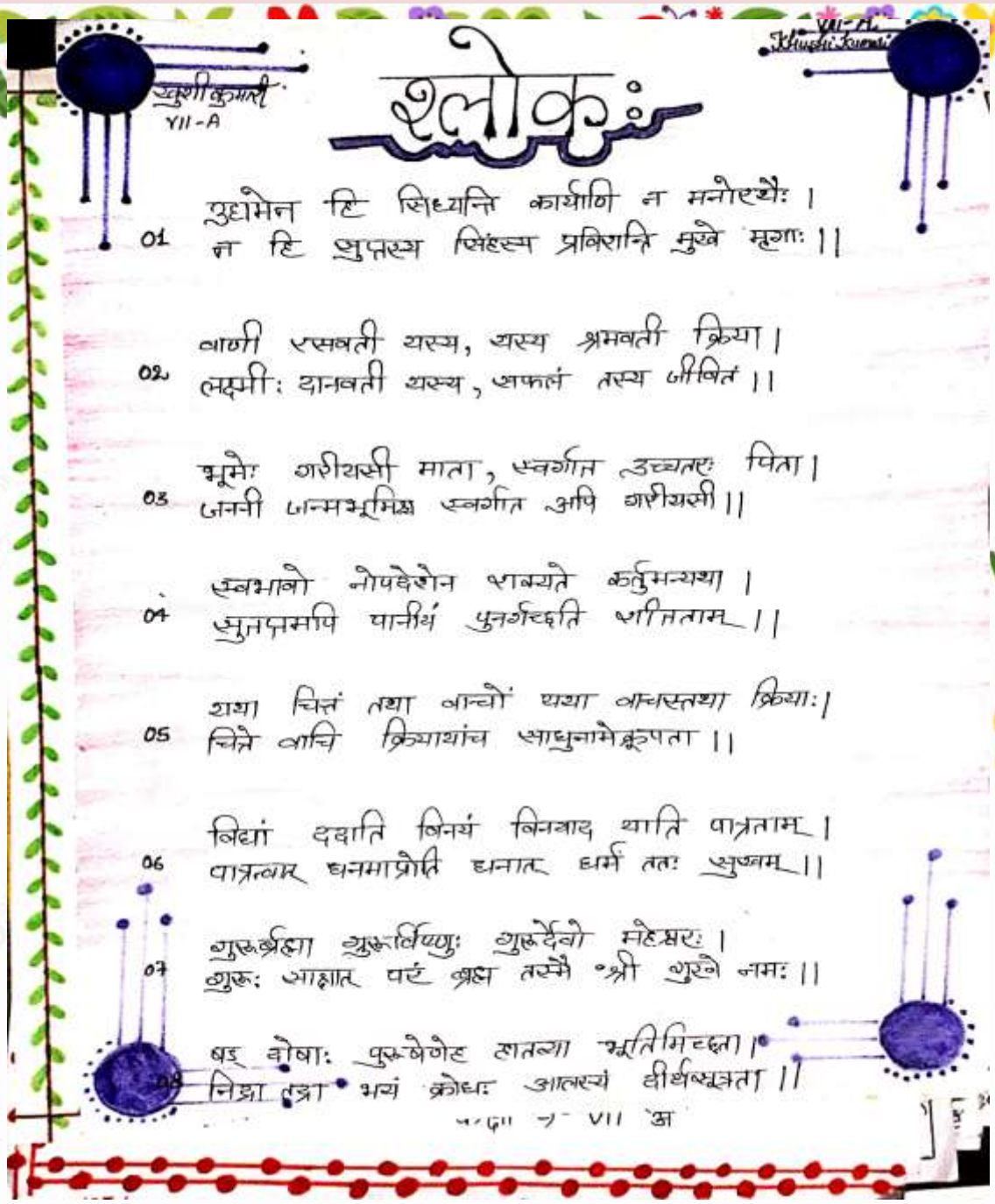

खुशी कुमारी
VII-A

Khushi Kumari
VII-A

# श्लोकः

01 उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥

02 वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया ।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं ॥

03 भूमेः गरीयसी माता, स्वर्गात उच्चतरः पिता ।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात अपि गरीयसी ॥

04 स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा ।
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ॥

05 यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रियाः ।
चित्ते वाचि क्रियायांच साधुनामेकरूपता ॥

06 विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥

07 गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

08 षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

VII अ

# भारतीय

## संस्कृति (निबंध)

चेतसः संस्करणं संस्कृतिरिति कथ्यते। अस्माकं राष्ट्रस्य एव प्राचीन संस्कृतिः अस्ति। सा निःसंशयं राष्ट्रस्य उपकोति। सा संस्कृतिः उपादेया भवति या विश्व बंधुत्व स्थापेन लोक रीतिरक्षणे सहायिका भवति। भारतीय संस्कृतिः संस्कारश्रिता अस्ति। एसं धर्मप्रधाना, आध्यात्मिकप्रधानमपि कर्मनिष्ठापरा, ज्ञान-विज्ञानाश्रिता संस्कृताश्रिता पारलौकिक भावसंयुक्ता लोकः संस्कृतिः अस्ति। वर्णाश्रम व्यवस्था, मोक्षवादः पुनर्जन्मवादः कर्मवादः परोपकारः धर्मस्थितम् - सदाचारपालनम् सत्यपरिपालनम्, अहिंसा परिपालनम् पुरुषार्थ चतुष्टयम्, श्रुतीनां प्रामाण्यम्। यज्ञस्य महत्वम्, यज्ञ - भूत बलिपरिपालनम् च भारतीयसंस्कृते आधारः भूताः गुणाः सन्ति। अतिथि देवो भवः मातृदेवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव, भारतीय संस्कृतेः शिक्षा सन्ति। भारतीय संस्कृति परम्पराद आगतास्ति। सर्वधर्मसमभावः ईश्वर विश्वासः अस्माकं संस्कृतेः तत्वानि सन्ति। अस्याः अन्यतम विशेषतासु विश्वबन्धुत्वस्य भावना एका अस्ति। यथा - उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।इति कथनम् अस्माकं संस्कृते महत्वम् उद्भावयति।

नाम : हर्षिका दास
कक्षा : सातवीं 'अ'
विद्यालय : केंद्रीय विद्यालय (सिंगरौली म०प्र०)

कक्षा 7 VII अ

# एकः काकः कोयलः च

एकदा इतस्ततः परिभ्रम्य तौ एकस्मिन् वृक्षे निर्मितम् एकं सुन्दरं अपश्यताम् । सुन्दरं गृहं दृष्ट्वा तौ अचिन्तयताम् - "किमर्थं न आवयोः अपि एतादृशं सुन्दरं गृहं भवेत् ! अतः अधुना आवाम् अपि एतादृशं सुन्दरं गृहं रचयिष्यावः ।" इति चिन्तयित्वा स्वनिवासम् अगच्छताम् । कोयलः वृक्षे मृत्तिकया सुन्दरं गृहं निर्मितवान् । काकः तृणैः स्वगृहं निर्मितवती । एकदा भीषणे ग्रीष्मकाले सर्वत्र शुष्कम् अभवत् । सर्वे दुःखिनः आसन् । काकः गृहम् अपि नष्टम् अभवत् । सा खिन्ना आसीत् । सा अचिन्तयताम् - "किम् करोमि ?" परन्तु कोयलस्य गृहं न नष्टम् । तत् तु मृत्तिकायाः काकः चिन्तयित्वा कोयलस्य गृहं गच्छति । काकः कोयलं कथयति - "भगिनी ! अस्मिन् भीषणे ग्रीष्मकाले मम गृहं नष्टम् अभवत् । सर्वत्र उष्णः आस्ते । मह्यं स्वगृहे शरणं यच्छ । कोयलः अभिमानी आसीत् । सः अकथयत् - गच्छ, गच्छ । अत्र स्थानं न अस्ति । कुत्रचित् अन्यत्र गच्छ । तत गृहं नष्टम् । अहं किं करवाणि ? तत् श्रुत्वा खिन्नः काकः गच्छति । गच्छति काले ग्रीष्मकालः समाप्तः । वर्षा ऋतुः च आगच्छत् । सर्वत्र हरीतिमा आसीत् । काकः नवीनं गृहम् अरचयत् । तदैव सहसा अतिवृष्टेः अभवत् । कोयलस्य गृहं नष्टम् अभवत् । खिन्नः कोयलः शरणार्थं काकः समीपम् अगच्छत् ।

काकः तस्य सहर्ष स्वागतं करोति। सर्वं च अवगम्य कथयति - " भगिनी ! चिन्तां मा कुरु। अहं सर्वम् अवगच्छामि। अहं तव प्रतीक्षायाम् आसम। अन्तः आगच्छतु।" कोयलः लज्जितः भवति। काकः पुनः कथयति "भगिनी! चिन्तां त्यजतु। आनन्देन भोजनं करोतु। वर्षापर्यन्तम् आवाम् मिलित्वा अत्र स्थास्यावः। स्वागतं तव। भोजनं करोतु।" लज्जितः कोयलः भोजनं करोति। सः चिन्तयति - "अहं तु स्वार्थी अस्मि परम् एषः उदारहृदयः अस्ति।" वर्षा कालात् अनन्तरं कोयलः पुनः नवीन ठटहस्य निर्माणं करोति।

सत्यम् एव कथितम् - "उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।"

(शीतल पाण्डे)
कक्षा - 11 अ (कला)

Sheetal Pandey
Class - 11 A (Arts)

# स्वागतगीतम्

महामहनीय मेधाविन्, त्वदीयं स्वागतं कुर्मः ।
गुरुगीर्वाण भाषायाः त्वदीयं स्वागतं कुर्मः ॥

दिनं नो धन्यमेतत्, वृदं मंगलमयी बेला ।
वयं यद् बालकाः स्ते त्वदीयं स्वागतं कुर्मः ॥
महामहनीय मेधाविन् . . . . . .

न काचिद भावना भक्तिः न काचित् साधनाशक्ति
परं श्रद्धां सुमाञ्जलिभिः, त्वदीयं स्वागतं कुर्मः ।
महामहनीय मेधाविन . . . . . .

किमधिकं ब्रूमहे श्रीमन् निवेदनमेतदेवैकम् ।
न बाला विस्मृति नेयः त्वदीयं स्वागतं कुर्मः ॥
महामहनीय मेधाविन . . . . . ।

एस० त्रिपाठी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
(संस्कृत)

# संस्कृत श्लोक

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मः ततः सुखम् ॥

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥

अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम् ।
अधनस्य कुतो मित्रम् , अमित्रस्य कुतः सुखम् ॥

देवो रुष्टे गुरुस्त्राता गुरो रुष्टे न कश्चनः ।
गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः ॥

भूमिः गरीयसी माता, स्वर्गात् उच्चतरः पिता ।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात् अपि गरीयसी ॥

जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं,
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति ।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं,
सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ॥

लिखत प्रतीज
सप्तमी - अ

केन्द्रीय विद्यालय
बाल मेला
18 नवम्बर


Class- UKG

HINDI
E.V.S

P.T.M

WELCOME
TO
PTM

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAUL

# वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

VIDYALAYA SINGRAUL

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY
CELEBRATION
KENDRIYA VID

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY

ENDRIYA VIDYALAYA SINGRAUL
ANNUAL DAY
19-20
KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY
KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAU
ANNUAL DAY
RIYA VIDYALAYA SINGRA
ANNUAL DAY
ENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY

SINGRAULI
KENDRIYA VIDYALAYA
ANNUAL DAY
SINGRAULI

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI
ANNUAL DAY
KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

KENDRIYA VIDYALAYA SINGRAULI

KENDRIYA VIDYALAYA